

गुरुवार

वर्ष: 19 अंक : 204

29 अक्टूबर 2026

पृष्ठ : 8

मूल्य 1.00 रुपये प्रति

प्रकाशन स्थल-देहरादून

RNI NO- UTTHIN/2008/25027

वेबसाइट - www.devpath.in

E-mail: devpath2018@gmail.com

देवपथ

पैनी नज़र

तीखी जुबां

गहरा असर

देवभूमि से निकले विचारों ने समाज को हमेशा आगे बढ़ाया : मुख्यमंत्री

देहरादून, 29 अक्टूबर (नि०स०)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को लेखक गाँव, थानों, देहरादून में आयोजित लेखक गाँव अंतरराष्ट्रीय महोत्सव- 2026 के समापन समारोह में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने लेखक गाँव की पत्रिका 'धरती का स्वर्ग उत्तराखंड' एवं 'देवभूमि का काव्य पुष्प' पुस्तिका का विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि लेखक गाँव, समाज को दिशा देने वाले विचारों का प्रतीक है। जो वर्तमान के साथ भविष्य का निर्माण कर रहा है। उन्होंने कहा कि लेखक गाँव, प्रदेश में स्थानीय प्रतिभाओं को नया मंच देने के साथ साहित्यिक मानचित्र पर राज्य को नई पहचान दे रहा है। उन्होंने भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी का स्मरण करते हुए कहा कि स्व. अटल जी शब्दों के साधक थे, उनकी लेखनी में पर्वतों की दृढ़ता और गंगा की गहराई थी। उन्होंने कहा कि अटल जी ने हमें सिखाया कि शब्द भी राष्ट्र निर्माण के शस्त्र बन सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड हमेशा से रचनात्मकता, ज्ञान और संस्कृति का केंद्र रही है। देवभूमि से निकले विचारों ने हमेशा समाज को प्रेरित



और आगे बढ़ाने का काम किया है। उत्तराखंड में ऋषियों ने अनेक महान ग्रंथों की रचना की। उन्होंने कहा कि देवभूमि के प्राकृतिक सौंदर्य ने हमेशा लेखकों, कवियों और विचारकों को प्रेरित करने का काम किया है। साहित्य ही हमारे मूल्यों और विचारों को दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लेखकों, कवियों और रचनाकारों ने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी। उत्तराखंड राज्य आंदोलन के दौरान भी लेखकों, साहित्यकारों ने अपना योगदान दिया। उन्होंने कहा कि लेखक और

रचनाकार शब्दों के निर्माता के साथ समाज के चिंतक, मार्गदर्शक भी होते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार, साहित्य और संस्कृति के संरक्षण के लिए निरंतर काम कर रही है। राज्य में उत्तराखंड साहित्य गौरव सम्मान, साहित्य भूषण और लाइफ टाइम अचीवमेंट जैसे पुरस्कारों के माध्यम से प्रदेश के उत्कृष्ट साहित्यकारों को सम्मानित किया जा रहा है। वहीं हिंदी सहित विभिन्न स्थानीय भाषाओं में ग्रंथ प्रकाशन के लिए साहित्यकारों को अनुदान भी दिया

जा रहा है। राज्य सरकार उत्तराखंड को साहित्यिक पर्यटन के प्रमुख केंद्र रूप में विकसित करने के लिए भी कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में दो साहित्य ग्रामों की स्थापना की जा रही है, जहाँ साहित्यकारों के लिए आवासीय सुविधा, आधुनिक पुस्तकालय संगोष्ठी कक्ष और अध्ययन स्थल जैसी सुविधाएँ विकसित की जाएंगी। इस पहल से साहित्यकारों के लिए राज्य में अनुकूल वातावरण प्रदान किया जाएगा। राज्य सरकार, उत्तराखंड की साहित्यिक विरासत को और अधिक समृद्ध बनाने के लिए संकल्पित है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश अपनी सांस्कृतिक और साहित्यिक धरोहर के पुनर्जागरण के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री से प्रेरणा लेकर राज्य सरकार भी उत्तराखंड के बिखरे हुए साहित्य को संकलित, संरक्षित और पुनर्स्थापित करने

के लिए भी ठोस और प्रभावी कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि हम विकास के साथ अपनी विरासत को बचाने का भी काम कर रहे हैं। केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री के नेतृत्व में उत्तराखंड में ऐतिहासिक विकास कार्य हो रहे हैं। केंद्र और राज्य सरकार के प्रयासों से सीमांत क्षेत्रों में रिवर्स माइग्रेशन निरंतर बढ़ रहा है। आदि कैलाश, नीति-माणा क्षेत्र में पर्यटकों की संख्या में भी ऐतिहासिक वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि पहले जहाँ पहुँचने में 5 दिन लगते थे, आज वहाँ का सफ़र महज कुछ घंटों में पूरा हो रहा है।

इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक, हेमवती नंदन बहुगुणा विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. प्रकाश सिंह, प्रोफेसर प्रदीप भारद्वाज, प्रो. राकेश सुंदरियाल, डॉ. विदुषी निशंक एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

दून पुलिस का एक्शन: सार्वजनिक जगह पर शांति भंग करने पर तुरंत गिरफ्तारी



देहरादून, 29 अक्टूबर (नि०स०)। देहरादून के पटेलनगर बाजार क्षेत्र में पारिवारिक विवाद के चलते खुलेआम हुड़दंग और मारपीट करने वाले एक युवक को दून पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर लिया है। खास बात यह रही कि मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने जब आरोपी को समझाने की कोशिश की, तो वह शांत होने के बजाय और अधिक उग्र हो गया और दोबारा मारपीट पर उतारू हो गया, जिसके बाद पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए उसे दबोच लिया। एसएसपी देहरादून प्रमोद सिंह डोभाल की सख्त हिदायतों के बाद जिले में सार्वजनिक स्थानों पर हुड़दंग

करने वालों के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार जारी है। इसी कड़ी में 29 अक्टूबर 2026 को कोतवाली पटेलनगर को सूचना मिली थी कि बाजार क्षेत्र में दो पक्षों के बीच विवाद के कारण भारी हंगामा हो रहा है। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस बल तुरंत मौके पर पहुंचा। जांच के दौरान पता चला कि कालिका विहार फेस-02 निवासी नीरज कुमार (उम्र 25 वर्ष) पारिवारिक विवाद को लेकर दूसरे पक्ष से झगड़ रहा था। पुलिस ने कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए उसे काफी समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह मानने को तैयार नहीं था। मौके पर मौजूद भीड़ और बिगड़ते हालातों को देखते हुए पुलिस ने सुरक्षा के लिहाज से तुरंत कड़ा कदम उठाया। पुलिस ने हुड़दंग कर रहे मुख्य आरोपी नीरज कुमार को हिरासत में ले लिया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, सार्वजनिक स्थान पर लोगों की सुरक्षा और शांति व्यवस्था को खतरे में डालने के कारण आरोपी के खिलाफ कानूनी प्रावधानों के तहत सख्त एक्शन लिया गया है। इस तरह की घटनाओं से बाजार आने वाले आम नागरिकों और

चेतावनी : सार्वजनिक स्थान पर हुड़दंग किया तो सीधे होगी कानूनी कार्रवाई दून पुलिस की बड़ी कार्रवाई: बाजार में हंगामा करने वाला शख्स गिरफ्तार

दुकानदारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है, जिस पर पुलिस अब जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रही है। कोतवाली पटेलनगर पुलिस ने इस मामले में त्वरित कानूनी प्रक्रिया अपनाते हुए आरोपी के खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) की धारा 170 के तहत कार्रवाई की है। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शहर के किसी भी हिस्से में यदि कोई व्यक्ति कानून को अपने हाथ में लेने या सार्वजनिक शांति बिगाड़ने की कोशिश करेगा, तो उसे बख्शा नहीं जाएगा। स्थानीय नागरिकों ने पुलिस की इस त्वरित और सख्त कार्रवाई की सराहना की है, जिससे क्षेत्र में असामाजिक तत्वों में कड़ा संदेश गया है।

उत्तराखंड के 5 जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी, ओलावृष्टि और तेज हवाओं का खतरा

देहरादून, 29 अक्टूबर (नि०स०)। उत्तराखंड में मौसम के तेवर एक बार फिर तल्लू हो गए हैं। मौसम विभाग की चेतावनी के बाद राज्य के पांच पर्वतीय जनपदों में 30 अक्टूबर के लिए ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है, जिसके चलते शासन स्तर पर प्रशासनिक मशीनरी को पूरी तरह मुस्तैद कर दिया गया है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार नैनीताल, चंपावत, पिथौरागढ़, बागेश्वर और चमोली जिलों में गरज के साथ आकाशीय बिजली चमकने, ओलावृष्टि और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से झोंकेदार हवाएं चलने की संभावना है। इसे देखते हुए आपदा प्रबंधन विभाग ने चारधाम यात्रा पर विशेष नजर रखने के निर्देश दिए हैं। सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने बैठक कर साफ किया कि किसी भी संभावित खतरे या खराब मौसम की स्थिति में यात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर रोका जाए ताकि किसी प्रकार की अनहोनी से बचा जा सके। समीक्षा बैठक के दौरान एक महत्वपूर्ण और कड़ा रुख सामने आया है। ओलावृष्टि और प्राकृतिक नुकसान से प्रभावित लोगों को समय पर मुआवजा व राहत राशि देने में हो रही देरी पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और आपदा प्रबंधन मंत्री ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की है। शासन ने साफ निर्देश दिए हैं कि प्रभावित क्षेत्रों से नुकसान के आकलन के आधार पर रिकवरी और रिकंस्ट्रक्शन के प्रस्ताव तत्काल शासन को भेजे जाएं, साथ ही मुख्यमंत्री राहत कोष से मदद के लिए प्रक्रिया तेज की जाए।



मौसम विभाग का अलर्ट!

मसूरी में दिनभर झमाझम बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त

देहरादून (आरएनएस)। मसूरी में सुबह 8 बजे से शुरू हुई बारिश दिनभर जारी रही, जिससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित रहा। तेज हवाओं के साथ हो रही बारिश के कारण तापमान में भारी गिरावट आ गई और अचानक ठंड बढ़ गई। गुरुवार को अधिकतम तापमान 20 और न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस रहा। ठंड के चलते स्थानीय लोग और पर्यटक गर्म कपड़ों में नजर आए। लगातार बारिश और सर्द हवाओं के चलते माल रोड सहित पर्यटक स्थलों पर दिनभर सन्नाटा पसरा रहा। घूमने आए अधिकांश पर्यटक होटलों में ही कैद रहने को मजबूर रहे। बारिश से सबसे ज्यादा परेशानी स्कूली बच्चों को उठानी पड़ी। सुबह स्कूल जाते समय भीगते हुए बच्चे नजर आए। कई जगहों पर जलभराव के कारण आवाजाही में भी दिक्कत हुई।

देहरादून/दिल्ली, (निसो) जहाँ सतगुरु का पावन आशीर्वाद, प्रेम और आध्यात्मिकता का संगम हो, वहाँ हर मंगलमय पल एक दिव्य अनुभूति बन जाता है। 79वें निरंकारी संत समागम के समापन उपरांत समालखा के पावन मैदानों में सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित जी की दिव्य उपस्थिति में आयोजित सामूहिक विवाह समारोह इसी आध्यात्मिक भावना का सुंदर प्रतीक बना, जहाँ 126 नवयुगलों ने परिणय सूत्र में बंधकर अपने नवजीवन का शुभारंभ किया और सतगुरु से प्रेम, समर्पण एवं सुखमय दांपत्य जीवन का आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक जयमाला एवं निरंकारी सांझा-हार से हुआ, जिसे मिशन की प्रधान आदरणीय राजकुमारी जी एवं अन्य कार्यकारिणी सदस्यों ने सभी नवविवाहित जोड़ों को पहनाकर उनके सुखमय नवजीवन की मंगलकामना की। इसके पश्चात हिंदी में भक्तिमय निरंकारी लावों का गायन हुआ, जिनमें विश्वास, सम्मान एवं समर्पण पूर्ण गृहस्थ जीवन की शिक्षाएँ समाहित थीं। अंत में सतगुरु माता जी एवं निरंकारी राजपिता जी ने नवविवाहित जोड़ों पर पुष्पवृष्टि कर उन्हें सुख, शांति एवं आनंदमय जीवन का आशीर्वाद प्रदान किया। सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज ने अपने आशीर्वाचनों में नवविवाहित जोड़ों को प्रेरित करते हुए कहा कि सामूहिक विवाह का भाव केवल एक आयोजन तक सीमित न रहकर जीवन जीने का ढंग बनना चाहिए। पति-पत्नी एक-दूसरे की जिम्मेदारियों को समान रूप से निभाते हुए प्रेम, विश्वास और तालमेल के साथ आगे बढ़ें तथा एक-दूसरे के दो पंख बनकर जीवन की हर परिस्थिति का सामना करें। सतगुरु माता जी ने सेवा, सुमिरन और सत्संग के मार्ग पर परस्पर सहयोग का महत्व बताते हुए प्रेरित किया कि पति-पत्नी एक-दूसरे को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। विवाह जीवनभर प्रेम, आदर और समर्पण से निभाया जाने वाला पवित्र रिश्ता है, जिसे दोनों परिवारों के आपसी सम्मान और स्नेह से और भी सुदृढ़ बनाया जा सकता है। उन्होंने नवविवाहित जोड़ों को एक-दूसरे की कमियों को सहजता से स्वीकार करने तथा क्षमा और विनम्रता का भाव बनाए रखने का संदेश दिया। साथ ही, सतगुरु माता जी के परिवार के सदस्य का शुभ विवाह भी इसी सामूहिक सादा शायदियों में सम्पन्न हुआ। संत निरंकारी मंडल के सचिव आदरणीय श्री जोगिन्दर सुखीजा जी ने जानकारी देते हुए बताया कि समाज कल्याण विभाग के सहयोग से आयोजित इस समारोह में सतगुरु माता जी के सान्निध्य में भारत के विभिन्न राज्यों-बिहार, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, झारखंड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड एवं पश्चिम बंगाल सहित ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और कनाडा से आए नवयुगलों ने सहभागिता की।

लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक, सुनवाई के एक बड़े हिस्से के दौरान अदालत की वचुंअल प्रोसीडिंग्स का ऑडियो-वीडियो फीड बंद कर दिया गया था। सुनवाई जब समाप्त होने के करीब पहुंची, तब ऑडियो-वीडियो दोबारा चालू हुआ, जिसमें वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी और डॉ. मेनका गुरुस्वामी मौजूद दिखाई दिए। इससे पहले, तृणमूल कांग्रेस सांसद डोला सेन की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मेनका गुरुस्वामी ने अदालत के संज्ञान में लाया कि यह मामला आयोग के कामकाज, ऑनलाइन 'फॉर्म 6' से छेड़छाड़ और चुनाव आयोग द्वारा जारी उस प्रेस नोट से जुड़ा है, जिसमें कथित तौर पर यह दावा किया गया कि अदालत ने इस प्रक्रिया को अधिकृत किया था।



सम्पादकीय

चाहिए कानून में उचित बदलाव

निर्वाचन आयोग को विपक्षी दलों को आमंत्रित कर उनकी शिकायतों पर ध्यान देना चाहिए। मंगलवार को जब विपक्षी सांसद विरोध जताने निर्वाचन आयोग जाएंगे, तो वह उनसे संवाद शुरू करने का माकूल मौका होगा। लोगों का असंतोष फिर से सड़कों पर उबल रहा है। इस बार मुद्दा राजनीतिक है। नई दिल्ली के जंतर-मंतर से लेकर मुंबई के शिवाजी पार्क और देश के अन्य हिस्सों में हुए विरोध प्रदर्शनों का संदेश है कि जनमत के एक बड़े हिस्से में चुनाव प्रक्रिया के स्वतंत्र एवं निष्पक्ष रहने का भरोसा नहीं रहा। यह चिंताजनक स्थिति है, क्योंकि ऐसी धारणाएं निर्वाचित सरकार की वैधता पर सवाल उठाने तक चली जाती हैं। भारत में यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति बनने लगी है, जब विपक्ष और सिविल सोसायटी के एक हिस्से में हाल में हुए चुनावों के परिणाम पर खुलेआम संदेह जताया जा रहा है। कुछ राजनेताओं ने 2024 के चुनाव परिणाम पर भी सवाल उठाए हैं। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से संबंधित विवाद पर जैसा विरोध भड़का है, वह संकेत है कि इन सवालों और संदेहों का प्रभाव दूर तक चला गया है। सरकार के कर्ता-धर्ताओं में दूरदर्शिता होती को बन रहे हालात का मतलब समझते हुए वे उचित पहल करते। कहा जा सकता है कि ऐसा ना कर वे देश की राजनीतिक व्यवस्था के लिए चुनौतियां बढ़ा रहे हैं। केंद्र और निर्वाचन आयोग चाहें, तो अभी भी बहुत देर नहीं हुई है। उन्हें यह उचित सलाह होगी कि वे चुनाव प्रक्रिया की विश्वसनीयता बहाल करने की पहल तुरंत करें। इसकी शुरुआत ऐसी सर्वदलीय बैठक बुलाकर की जा सकती है, जो महज रस्म-अदायगी ना हो। उधर निर्वाचन आयोग को विपक्षी दलों को आमंत्रित कर उनकी शिकायतों पर ध्यान देना चाहिए। मंगलवार को जब इंडिया गठबंधन के सांसद विरोध जताने निर्वाचन आयोग की ओर जाएंगे, तो वह इस प्रक्रिया को शुरू करने का माकूल मौका होगा। आयोग ने एसआईआर के दौरान मतदाता सूची से निकाले गए वैध मतदाताओं के नाम वापस शामिल करने के अभियान की घोषणा कर उचित कदम उठाया है। अब उसे विपक्षी खेमों की अन्य मांगों भी पर ठोस कदम उठाना चाहिए। उधर केंद्र को निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया को सुप्रीम कोर्ट के पूर्व आदेश मुताबिक करने के लिए कानून में उचित बदलाव लाना चाहिए। सिर्फ ऐसे कदमों से ही देश को राजनीतिक अस्थिरता से बचाया जा सकेगा।

उत्तराखंड में शराब बन गई खुराक!



उत्तराखंड वासियों ने बड़ी-बड़ी विकास योजनाओं की आशाओं के पुल बांधकर इसके अलग राज्य की मांग को लेकर क्रांति का बीड़ा उठाया था, कि हमें अलग राज्य मिलना चाहिए! ताकि हम और राज्यों की तरह चौमुखी विकास करें लेकिन तब से विकास कार्यों का नाम तो है नहीं? उत्तराखंड का बड़ा जनमानस शराब के नशे में मस्त है! शराब कई घरों को बर्बादी की ओर ले जा रहा है! पहले कभी मेहमान नवाजी में घी, दूध, दही से किया जाता था! आज उन चीजों की जगह शराब ने ले ली है! यहां तक की खुशी और मातम में इसका प्रचलन अत्यधिक हो गया है! हर काम करवाने का शराब एक जरिया बन गया है, चुनाव प्रचार में वोट खरीदना, विभागों से कार्य सुलभ करवाना, यहां तक की आज हर कार्य का शुभारंभ उसी से किया जा रहा है! शराब को दिन प्रतिदिन अत्यधिक महत्व दिया जा रहा है जो की जनता के लिए विनाश का रास्ता बन गया है! उत्तराखंड को देवभूमि माना जाता है शराब के इस प्रचलन को युवा पीढ़ी की जागरूकता ही खत्म कर सकती है! उत्तराखंड सरकार ने पलायन रोकने में नाकाम तो रही ही बल्कि तब से उत्तराखंड के गांव खाली हो गए हैं जो बचे हुए अशाय लोग हैं वे आदमखोर बाग के शिकार हो रहे हैं जब से उत्तराखंड अलग राज्य बना तब से विनाश अधिक विकास कम देखने को मिला, आने वाले आगे विधानसभा चुनाव में इसका असर देखने को मिलेगा वर्तमान सरकार ने कितना विकास किया, कितना पलायन रोका, कितना रोजगार दिया चुनाव ही इसका दर्पण है!

-परमानन्द कुकरेती

अपर पुलिस महानिदेशक डॉ. वी. मुरुगेशन ने गैरसैंण में नवनिर्मित थाना एवं फायर यूनिट भवनों का किया निरीक्षण

चमोली (प्रदीप लखड़ा)। गैरसैंण में पुलिसिंग एवं अग्निशमन सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में नवनिर्मित पुलिस थाना भवन एवं फायर यूनिट भवन तैयार किए गए हैं। इससे पूर्व माननीय मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड महोदय द्वारा भराड़ीसैंण में आयोजित कार्यक्रम के दौरान दोनों भवनों का लोकार्पण किया गया था। लोकार्पण के पश्चात अपर पुलिस महानिदेशक, अपराध एवं कानून व्यवस्था डॉ. वी. मुरुगेशन ने दोनों भवनों का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पुलिस थाना भवन में पुलिसकर्मियों के लिए उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं, कार्यालय व्यवस्था एवं विभिन्न अभिलेखों का अवलोकन किया। साथ ही थाने की कार्यप्रणाली एवं व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

त्योहारों के बीच सियासी टकराव: व्यापारी क्यों बन रहे हैं आंदोलन के मोहरे ?

सौरभ वार्धणेय

देश में त्योहारों का मौसम बाजारों में रौनक, कारोबार में तेजी और आम लोगों के चेहरों पर खुशियां लेकर आता है। दीपावली और अन्य त्योहारों के दौरान व्यापारी वर्ग पूरे साल की कमाई के एक बड़े हिस्से की उम्मीद करता है। दुकानदारों से लेकर छोटे कारोबारियों, रेहड़ी-पटरी वालों और कर्मचारियों तक, लाखों लोगों की आजीविका इन दिनों के कारोबार पर निर्भर रहती है। ऐसे समय में यदि राजनीतिक आंदोलन, चुनावी रैलियां और विरोध-प्रदर्शन बाजारों तथा व्यापारिक गतिविधियों को प्रभावित करने लगें, तो स्वाभाविक रूप से सवाल उठता है कि आखिर इस टकराव की कीमत व्यापारी वर्ग ही क्यों चुकाए?

एक नवंबर को प्रस्तावित चुनावी रैली और राहुल गांधी के नेतृत्व में चल रहे राजनीतिक विरोध के बीच व्यापारिक संगठनों की ओर से त्योहारों के मद्देनजर उठाई जा रही मांगों ने राजनीतिक और सामाजिक बहस को नई दिशा दे दी है। एक तरफ विपक्ष चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता और चुनाव आयोग की जवाबदेही का सवाल उठा रहा है, तो दूसरी तरफ व्यापारी वर्ग चाहता है कि त्योहारों के समय उसका कारोबार बाधित न हो। इस परिस्थिति में सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या राजनीतिक दलों को अपने आंदोलन की रणनीति तय करते समय आम नागरिकों और व्यापारियों के हितों को प्राथमिकता नहीं देनी चाहिए?

लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन करना विपक्ष का अधिकार है। सरकार से सवाल पूछना, चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग करना और संवैधानिक संस्थाओं की जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए आवाज उठाना लोकतांत्रिक व्यवस्था का अनिवार्य हिस्सा है। यदि विपक्ष को चुनाव आयोग के कामकाज पर आपत्ति है, तो उसे तथ्य, दस्तावेज और संवैधानिक प्रक्रियाओं के माध्यम से अपनी बात रखने का पूरा अधिकार है। लेकिन किसी भी आंदोलन की सफलता केवल भीड़ जुटाने या राजनीतिक संदेश देने से नहीं मापी जानी चाहिए। यह भी देखना आवश्यक है कि उस आंदोलन का आम जनता पर क्या प्रभाव पड़ रहा है। त्योहारों के दौरान बाजारों में ग्राहकों की आवाजाही, माल की आपूर्ति, यातायात और दुकानों के संचालन में व्यवधान छोटे व्यापारियों के लिए गंभीर आर्थिक नुकसान का कारण बन सकता है।

बड़े कारोबारी कुछ समय का नुकसान सहन कर सकते हैं, लेकिन छोटे दुकानदार, दैनिक आय पर निर्भर विक्रेता और सीमित पूंजी से कारोबार करने वाले व्यापारी हर दिन की कमाई पर निर्भर रहते हैं। ऐसे में व्यापारिक संगठनों की मांग को केवल राजनीतिक विरोध के चश्मे से देखना उचित नहीं होगा। इस पूरे घटनाक्रम में सरकार की भूमिका पर भी सवाल उठना स्वाभाविक है। यदि आंदोलन को लेकर राजनीतिक गतिरोध बढ़ रहा है, तो सरकार और संबंधित संस्थाओं को संवाद का रास्ता तलाशना चाहिए। हालांकि, यह निष्कर्ष निकालने के लिए पर्याप्त प्रमाण आवश्यक हैं कि सरकार



ने जानबूझकर ऐसा राजनीतिक पेच खड़ा किया है, जिससे आंदोलन समाप्त हो जाए या विपक्ष दबाव में आ जाए। राजनीति में आरोप प्रत्यारोप आम हैं, लेकिन लोकतंत्र में किसी भी आरोप की विश्वसनीयता तथ्यों से तय होती है। सरकार को चाहिए कि वह विपक्ष की शिकायतों का जवाब दे, चुनावी प्रक्रिया को लेकर उठने वाली आशंकाओं को दूर करे और यह सुनिश्चित करे कि किसी भी राजनीतिक गतिविधि के कारण आम नागरिकों के अधिकारों तथा आजीविका पर अनावश्यक असर न पड़े।

इसी तरह विपक्ष को भी यह स्पष्ट करना चाहिए कि उसका आंदोलन किन ठोस मांगों पर आधारित है, उसकी समय-सीमा क्या है और आम लोगों को कम से कम परेशानी पहुंचाते हुए उसे कैसे आगे बढ़ाया जा सकता है।

चुनाव आयोग के शीर्ष पदाधिकारी की जवाबदेही तय होनी चाहिए और उनकी मांग पूरी होने पर आंदोलन समाप्त हो सकता है, राजनीतिक बहस का महत्वपूर्ण विषय है। यदि विपक्ष का दावा है कि चुनावी प्रक्रिया में अनियमितताएं हुई हैं, तो उसे अपने आरोपों के समर्थन में ठोस प्रमाण प्रस्तुत करने चाहिए। वहीं, चुनाव आयोग को भी अपनी संवैधानिक स्वतंत्रता, निष्पक्षता और पारदर्शिता के प्रति जनता का विश्वास बनाए रखना चाहिए।

लेकिन किसी संवैधानिक पदाधिकारी का इस्तीफा मांगना और उसे तत्काल स्वीकार कराना दो अलग अलग बातें हैं। चुनाव आयोग के प्रमुख का पद किसी राजनीतिक दल की इच्छा से संचालित नहीं हो सकता। उनकी नियुक्ति, कार्यकाल और पद से हटाने की प्रक्रिया कानून तथा संविधान के प्रावधानों के अनुसार निर्धारित होती है। इसलिए यह कहना कि केवल इस्तीफा होते ही तीस सेकंड में आंदोलन समाप्त हो जाएगा, राजनीतिक वक्तव्य तो हो सकता है, लेकिन इसे समस्या के समाधान की गारंटी नहीं माना जा सकता।

यदि वास्तविक उद्देश्य चुनावी प्रक्रिया में विश्वास बहाल करना है, तो समाधान पारदर्शी जांच, तथ्यों के सार्वजनिक स्पष्टीकरण और संवैधानिक प्रक्रियाओं के पालन में तलाशना होगा। केवल इस्तीफे की मांग पर अड़े रहना या बिना जवाब दिए मांग को खारिज कर देना, दोनों ही स्थितियां राजनीतिक गतिरोध को बढ़ा सकती हैं। व्यापारी किसी

राजनीतिक दल की संपत्ति नहीं हैं। वे देश की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार हैं। बाजारों में काम करने वाले लाखों लोगों के सामने किराया, बिजली बिल, कर्मचारियों का वेतन, माल की खरीद और बैंक की किस्तों जैसी जिम्मेदारियां होती हैं। त्योहारों के समय बिक्री प्रभावित होने का नुकसान केवल दुकान के मालिक को नहीं, बल्कि उससे जुड़े पूरे परिवार और कर्मचारियों को भी उठाना पड़ता है। इसलिए व्यापारिक संगठनों की मांगों को गंभीरता से सुनना सरकार और विपक्ष, दोनों की जिम्मेदारी है। यदि रैली या आंदोलन के लिए स्थान, समय और मार्ग में बदलाव करके व्यापारिक गतिविधियों को सुरक्षित रखा जा सकता है, तो ऐसा करने में किसी पक्ष को राजनीतिक हार नहीं माननी चाहिए। सरकार को कानून-व्यवस्था और नागरिक सुविधाओं का संतुलन बनाए रखना चाहिए। विपक्ष को शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार इस्तेमाल करते हुए यह ध्यान रखना चाहिए कि उसकी रणनीति से आम लोगों को अनावश्यक परेशानी न हो। प्रशासन को भी निष्पक्ष भूमिका निभाते हुए यातायात, सुरक्षा और बाजारों के संचालन के लिए स्पष्ट व्यवस्था करनी चाहिए।

आज आवश्यकता इस बात की है कि राजनीतिक दल व्यापारियों को अपने पक्ष में खड़ा करने के बजाय उनकी समस्याओं का समाधान करें। व्यापारिक संगठनों को भी अपनी मांगें स्पष्ट रूप से सामने रखनी चाहिए और राजनीतिक विवादों में किसी एक पक्ष का औजार बनने से बचना चाहिए।

एक नवंबर की रैली और आंदोलन को लेकर यदि कोई विवाद है, तो संबंधित पक्षों के बीच तत्काल बातचीत होनी चाहिए। रैली के समय और स्थान का ऐसा निर्धारण किया जा सकता है, जिससे विरोध का लोकतांत्रिक अधिकार भी सुरक्षित रहे और त्योहारों का कारोबार भी प्रभावित न हो। इसके साथ ही चुनाव आयोग से जुड़े सवालों पर तथ्यों के आधार पर सार्वजनिक संवाद होना चाहिए।

लोकतंत्र में सरकार की जवाबदेही जितनी जरूरी है, उतना ही जरूरी विपक्ष का जिम्मेदार आचरण भी है। विरोध करना विपक्ष का अधिकार है, लेकिन जनता के हितों की रक्षा करना उसकी राजनीतिक जिम्मेदारी भी है। इसी प्रकार सरकार को भी आलोचना को दबाने के बजाय उसका उत्तर देना चाहिए। लोकतंत्र की असली परीक्षा यही है कि राजनीतिक संघर्ष के बीच भी जनता के हित सर्वोपरि रहें।

देहरादून (निःशु) उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक द्वारा भारत के सीमांत गाँव तीजम, धारचूला (जनपद पिथौरागढ़) में शाखा धारचूला के अंतर्गत प्रथम मॉडल सीएसपी (ग्राहक सेवा केंद्र) का भव्य उद्घाटन किया गया। उद्घाटन समारोह में बैंक के अध्यक्ष हरि हर पटनायक मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रबंधक संदीप कुकुरेती, क्षेत्रीय कार्यालय से अधिकारी अंकित जायसवाल एवं किरण मेहता कार्की, धारचूला शाखा प्रबंधक प्रवीण सिंह जीना, ग्राम प्रधान सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। इस पहल के साथ उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक दारमा घाटी में बैंकिंग सेवाएँ पहुँचाने वाला प्रथम बैंक बन गया है। यह उपलब्धि क्षेत्र के दूरस्थ एवं सीमांत गाँवों में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने तथा स्थानीय ग्रामीणों को सुलभ बैंकिंग सुविधाएँ उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। समारोह को संबोधित करते हुए बैंक के अध्यक्ष हरि हर पटनायक ने ग्रामीणों को बैंक की विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी तथा उन्हें इनके प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक दूरस्थ क्षेत्रों में भी अपनी सेवाओं का विस्तार करते हुए आम जनता की सेवा के लिए प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में इस दूरस्थ क्षेत्र में मॉडल सीएसपी केंद्र की शुरुआत की गई है, जिससे ग्रामवासी अपने गाँव में ही बैंकिंग सुविधाओं का लाभ उठा सकेंगे। बैंक द्वारा इस वर्ष जनपद पिथौरागढ़ में कुल 34 नए सीएसपी नियुक्त किए गए हैं, जिनमें से 12 (लगभग 35 प्रतिशत) महिलाएँ हैं। यह पहल बैंकिंग सेवाओं के विस्तार के साथ-साथ महिलाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण है। अध्यक्ष महोदय ने ग्रामवासियों को आश्वस्त किया कि बैंक की विभिन्न सेवाओं एवं सुविधाओं के लिए उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक सदैव उनके साथ खड़ा रहेगा। किसी भी प्रकार की कठिनाई होने पर ग्रामवासी सीधे बैंक प्रबंधन से संपर्क कर सकते हैं।

देहरादून, गुरुवार 29 अक्टूबर 2026 (5)

प्रेस वार्ता के दौरान यह साफ किया गया कि उत्तराखंड स्वाभिमान मोर्चा के सभी पदाधिकारियों और सदस्यों ने सामूहिक रूप से राज्य स्वराज पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली है। मोर्चा के इस कदम को संगठनात्मक एकजुटता और नए राजनीतिक सफर की बड़ी शुरुआत माना जा रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पार्टी के वर्तमान अध्यक्ष श्री भरत रावत, संस्थापक सदस्य श्री देवेश्वर भट्ट, महासचिव श्री राजेंद्र भट्ट, कोषाध्यक्ष श्री चित्रपाल सजवान और

पार्टी नेतृत्व ने स्पष्ट किया है कि प्रदेश के



विकास, जनहित और जनभागीदारी जैसे बुनियादी मुद्दों को ही संगठन की मुख्य ताकत बनाया जाएगा। 'नया संकल्प, नया विकल्प' के नारे के साथ उतरी इस पार्टी ने 'हीरा' चुनाव चिह्न के सहारे राज्य के आम जनमानस के बीच अपनी अलग पहचान बनाने की रणनीति तैयार की है। प्रशासनिक और राजनीतिक गलियारों में इस नए दल के गठन के बाद से ही सुगबुगाहट तेज हो गई है कि यह आगामी राजनीतिक समीकरणों को कितना प्रभावित कर जाएगा।



चमोली (नि०स०)। जनपद चमोली के कर्णप्रयाग क्षेत्रांतर्गत कपरी-कंडारा मार्ग के समीप टी दुर्घटनाग्रस्त होने की सूचना पर एसडीआरएफ पोस्ट गोचर की टीम उप निरीक्षक भगत सिंह ठारी के नेतृत्व में तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हुई। घटनास्थल पर पहुँचने के बाद एसडीआरएफ टीम ने खाई में सर्च एवं रेस्क्यू अभियान चलाया। अभियान के दौरान टीम ने खाई एक व्यक्ति का शव बरामद किया तथा उसे सुरक्षित रूप से सड़क मार्ग तक पहुँचाकर अग्रिम कार्यवाही हेतु जिला पुलिस के सुपुर्द कर दिया। मृतक की पहचान वीरेंद्र सिंह, पुत्र श्री केदार सिंह, गासी गौचर, कर्णप्रयाग के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, मृतक पिछले दो दिनों से लापता। एसडीआरएफ टीम द्वारा आवश्यक रेस्क्यू कार्यवाही पूर्ण कर ली गई है। घटना के संबंध में प्रमवैधानिक कार्यवाही जिला पुलिस द्वारा की जा रही है।

रुड़की (नि०स०)। रुड़की की प्रतिष्ठित शिक्षण संस्था बी.एस.एम. चैरिटेबल ट्रस्ट को लेकर चल रहा विवाद अब केवल एक संस्थागत खींचतान न रहकर आपराधिक साजिश और वित्तीय अनियमितताओं के बड़े आरोपों में बदल गया है। परशुराम भवन में भारतीय ब्राह्मण समाज और सर्व समाज द्वारा दिए जा रहे धरने के दूसरे दिन मामला तब और गरमा गया जब जन निर्माण पार्टी के प्रत्याशी दीपक शर्मा और समाजसेवी विनीत शर्मा (चीनू पंडित) ने इस आंदोलन को खुला समर्थन देते हुए पूरे मामले की एसआईटी (SIT) जांच और दोषियों को जेल भेजने की मांग उठा दी। धरने के दूसरे दिन जन निर्माण पार्टी के प्रत्याशी दीपक शर्मा ने प्रदर्शनकारियों के बीच पहुंचकर कहा कि रुड़की की पहचान एक ऐतिहासिक शिक्षा नगरी के रूप में है और किसी भी सूरत में शिक्षा की पवित्रता से खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पूर्वजों द्वारा 1946 में स्थापित की गई संस्था को कब्जा मुक्त कराना पूरे शहर के सम्मान की बात है। वहीं, समाजसेवी

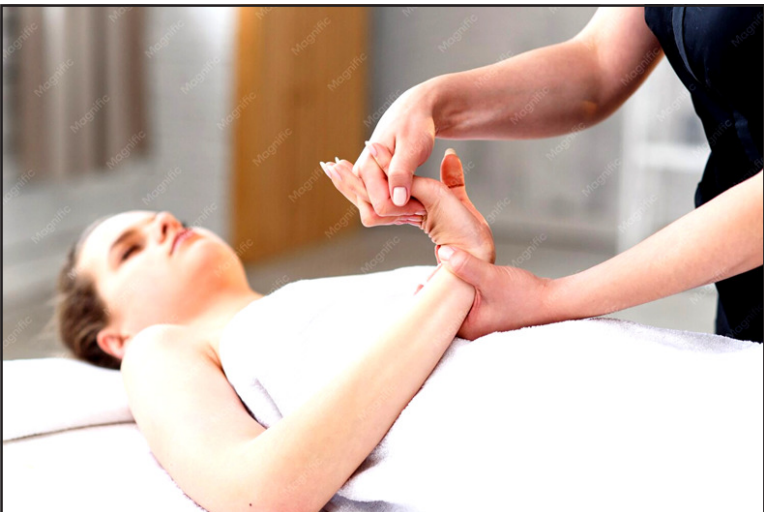


विनीत शर्मा (चीनू पंडित) ने वीडियो संदेश जारी कर आरोप लगाया कि सर्व समाज की सार्वजनिक संपत्ति को निजी पारिवारिक संपत्ति बनाने का यह बड़ा षड्यंत्र है। उन्होंने मांग की कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष एसआईटी (SIT) जांच कराई जाए और सरकारी फंड व संस्था हड़पने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई हो। विवाद की मुख्य जड़ 1946 में 'पंजीकृत' 'ब्राह्मण संस्कृत महाविद्यालय समिति' के स्वरूप

को बदलने से जुड़ी है। भारतीय ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष सतीश कुमार और साहित्यकार प्रो. डॉ. सम्राट सुधा के अनुसार, वर्ष 2020 तक सोसाइटीज, चिट्स एंड फंड्स हरिद्वार कार्यालय में इस संस्था के ट्रस्ट बनने का कोई रिकॉर्ड दर्ज नहीं था। जब मामला हाईकोर्ट पहुंचा, तब तत्कालीन अध्यक्ष द्वारा कथित तौर पर एक बैंकडेट (पूर्व दिनांकित) पत्र सौंपकर दावा किया गया कि ट्रस्ट वर्ष 2015 में ही बन गया था। इसके साथ ही, पूर्व उपाध्यक्ष बिट्टू शर्मा ने यूजीसी (GC) से मिले सरकारी अनुदान के गबन का मुद्दा उठाते हुए आरोप लगाया कि बैंक खाता संस्था के बजाए व्यक्तिगत नाम से संचालित किया गया, जो वित्तीय धोखाधड़ी की पुष्टि करता है। धरनास्थल पर समाज सेवी मनोज शर्मा ने आरोप लगाया कि उच्च शिक्षा निदेशक आनंद सिंह उनियाल और हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय (HNBGU) प्रशासन की ओर से गंभीर शिकायतों के बावजूद पिछले छह महीनों से कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की गई है।

देहरादून (निःसं०)। भाजपा की प्रदेश महामंत्री श्रीमती दीप्ति रावत भरद्वाज ने उत्तराखंड कांग्रेस के आधिकारिक सोशल मीडिया पेज पर महिलाओं को लेकर की गई अपमानजनक टिप्पणी की कड़ी निंदा करते हुए इसे कांग्रेस की ओछी और महिला-विरुद्धी मानसिकता का प्रमाण बताया। उन्होंने कहा कि महिलाओं की पदयात्रा की तुलना बंदरों के वीडियो से करना देवभूमि की गरिमा और शक्ति का अपमान है। विरोध के बाद पोस्ट हटाना कांग्रेस की जिम्मेदारी खत्म नहीं करता। कांग्रेस को प्रदेश की महिलाओं से न्यायपूर्ण और नैतिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। श्रीमती रावत भरद्वाज ने कहा कि उत्तराखंड की पहचान वीरांगना तीलू रौतेली, गौरा देवी बिश्नी देवी शाह जैसी साहसी महिलाओं से है। राज्य आंदोलन से लेकर खेती-किसानी, पर्यावरण संरक्षण और खेल जगत में, यहां की महिलाओं ने अपने परिश्रम, साहस और स्वाभिमान से प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। ऐसी मातृशक्ति के प्रति कांग्रेस की अन्यायपूर्ण मानजनक टिप्पणी उसकी संकीर्ण सोच को उजागर करती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एक ओर महिला सम्मान की बात करती है वहीं दूसरी ओर उसके आधिकारिक सोशल मीडिया पेज पर महिलाओं के प्रति ऐसी भाषा का इस्तेमाल उसके दावों की पोल खोल देता है। महिला सम्मान पर उपदेश देने से पहले कांग्रेस को अपने आचरण में सुधार करना चाहिए। चकरता आँडियो प्रकरण के उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि बेटियों पर कथित राजनीतिक दबाव, गाली-गलौज और धमकी से जुड़े आरोप गंभीर हैं।

एक्यूप्रेशर, एक्यूपंकचर और मालिश में होता है ये अंतर, जानिए इनके बारे में



शरीर की ऊर्जा को संतुलित करने के लिए एक्यूप्रेशर, एक्यूपंकचर और मालिश का सहारा लिया जा सकता है। हालांकि, कई लोगों के लिए ये तीनों तकनीकें एक ही तरह की लगती हैं, लेकिन वास्तव में ये तीनों अलग हैं और इनका इस्तेमाल करने का तरीका भी अलग है। आइए आज हम आपको तीनों तकनीकों के इस्तेमाल और इनके बीच के अंतर के बारे में विस्तार से बताते हैं ताकि आप इनसे जुड़ी किसी भी भ्रम की चपेट में न आए।

एक्यूप्रेशर क्या है ?

एक्यूप्रेशर एक ऐसी तकनीक है, जिसके जरिए शरीर की बाहरी त्वचा पर हल्का दबाव डालकर ऊर्जा को संतुलित किया जा सकता है।

इसके लिए हाथों की उंगलियों का इस्तेमाल किया जाता है। यह तकनीक दर्द और तनाव को कम करने, पाचन क्रिया को सुधारने और सामान्य स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में मदद कर सकती है।

एक्यूप्रेशर की प्रक्रिया के दौरान शरीर में खून के प्रवाह को बढ़ाने के साथ-साथ मांसपेशियों को आराम देने में भी मदद मिल सकती है।

एक्यूपंकचर की प्रक्रिया कैसे होती है? एक्यूपंकचर एक ऐसी पारंपरिक चीनी चिकित्सा है, जिसमें पतली सूई को त्वचा में डालकर दबाया जाता है। यह प्रक्रिया शरीर के खास बिंदुओं पर की जाती है और माना जाता है कि इससे ऊर्जा के प्रवाह को संतुलित करने में मदद मिलती है।

एक्यूपंकचर दर्द को कम करने, तनाव को दूर करने और सामान्य स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में सहायक है। इस प्रक्रिया के दौरान सूई का इस्तेमाल करने की जरूरत होती है, जबकि एक्यूप्रेशर में ऐसा नहीं होता।

मालिश क्या है ?

मालिश एक शारीरिक तकनीक है, जिसमें हाथों से शरीर के हिस्सों को रगड़कर या दबाकर आराम दिया जाता है। मालिश अलग-अलग तरह से की जा सकती है,

जैसे कि सिर की मालिश, पीठ की मालिश, पैरों की मालिश आदि।

यह प्रक्रिया शरीर के खून के प्रवाह को बढ़ाने, मांसपेशियों को आराम देने और तनाव को कम करने में मदद कर सकती है। मालिश में किसी भी उपकरण का इस्तेमाल नहीं किया जाता है।

तीनों तकनीकों में क्या अंतर है ?

एक्यूप्रेशर, एक्यूपंकचर और मालिश तीनों तकनीकें अलग-अलग होती हैं, लेकिन इनके इस्तेमाल के लिए शरीर की ऊर्जा को संतुलित करना मुख्य उद्देश्य होता है।

एक्यूप्रेशर के लिए हाथों की उंगलियों का इस्तेमाल किया जाता है, जबकि एक्यूपंकचर के लिए पतली सूई की जरूरत होती है।

मालिश के लिए सिर्फ हाथों का इस्तेमाल होता है। इन तीनों तकनीकों का इस्तेमाल करने से दर्द को कम करने, तनाव को दूर करने और सामान्य स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में मदद मिलती है।

इन चीजों का ध्यान रखना है जरूरी एक्यूप्रेशर, एक्यूपंकचर और मालिश को सुरक्षित माना जाता है, लेकिन इनका सही तरीके से इस्तेमाल करना जरूरी है।

गलत तरीके से इनका इस्तेमाल करने पर चोट लगने या अन्य समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

अगर आप स्वास्थ्य समस्याओं से ग्रस्त हैं या गर्भवती हैं तो इन तकनीकों का इस्तेमाल करने से पहले डॉक्टर से सलाह लें। इन तकनीकों का इस्तेमाल करने से पहले इनसे जुड़ी जानकारी अच्छी तरह से पढ़ लें और किसी विशेषज्ञ की सलाह लें।

दून लिजेंड्स क्लब का जलवा, दो महीने में जीते दो खिताब और एक उपविजेता सिर्फ दो महीने में तीन बड़ी ट्रॉफियां जीत इतिहास रचा



नेतृत्व में आयोजित इस बैठक में बताया गया कि 23 अगस्त 2026 को स्थापित इस क्लब ने रिकॉर्ड समय में असाधारण सफलता हासिल की है। स्थापना के महज दो महीने के भीतर क्लब की 40+ टीम ने मसूरी और देहरादून में कुल छह टूर्नामेंटों में हिस्सा लिया। इस दौरान टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 11 अक्टूबर 2026 को देहरादून और 24 अक्टूबर 2026 को मसूरी में हुए टूर्नामेंट्स में विजेता की ट्रॉफी अपने नाम की, जबकि 30 सितंबर को मसूरी में हुए मुकाबले में टीम उपविजेता रही थी।

गोरखा मिलिट्री स्कूल में आयोजित स्वर्गीय सौरभ गुरुंग मेमोरियल टूर्नामेंट जैसे प्रतिष्ठित आयोजनों में क्लब के खिलाड़ियों ने व्यक्तिगत स्तर पर भी बेहतरीन प्रदर्शन किया है। इस बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में कर्नल मनोज रावत (सेवानिवृत्त) और विशेष अतिथि के तौर पर मेजर हबी जंग गुरुंग (सेवानिवृत्त) ने शिरकत की। अतिथियों ने क्लब के सभी सदस्यों का स्वागत किया और कम समय में मिली इस उपलब्धि को अन्य युवाओं के लिए बड़ी प्रेरणा बताया। इस दौरान टूर्नामेंट में शानदार खेल दिखाने वाले कुल बहादुर गुरुंग को बेस्ट मिडफील्डर और वैभव बाली को बेस्ट गोलकीपर के पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

एजीएम बैठक के दौरान क्लब के पदाधिकारियों ने आगामी सत्र के लिए अपनी रणनीतियों पर भी खुलकर चर्चा की। खिलाड़ियों में जीत का उत्साह साफ तौर पर देखने को मिला और सभी ने आने वाले समय में राष्ट्रीय व राज्य स्तर पर और बेहतर प्रदर्शन करने का संकल्प लिया। स्थानीय खेल प्रेमियों के बीच इस नए क्लब की सफलता चर्चा का विषय बनी हुई है, और प्रशासनिक स्तर पर भी ऐसे आयोजनों से खेल संस्कृति को बढ़ावा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

देहरादून (प्रदीप भंडारी)।

उत्तराखंड की खेल राजधानी देहरादून में हाल ही में स्थापित हुए दून लिजेंड्स फुटबॉल क्लब ने महज दो महीने के भीतर अपनी दमदार खेल प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए तीन बड़ी ट्रॉफियों पर कब्जा जमा लिया है। क्लब की ओर से हाल ही में आयोजित वार्षिक आम बैठक (तः) में इस शानदार उपलब्धि का जश्न मनाया गया, जहां पूर्व सैन्य अधिकारियों की मौजूदगी ने खिलाड़ियों का हौसला और बढ़ा दिया।

क्लब के महासचिव भूपेन्द्र रावत और वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रवेश जोशी के



मेघ राशि : आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन करियर को एक बेहतर दिशा देने के लिए अनुकूल रहेगा। कारोबार में आज किसी नए काम को लेकर भ्रमित न हों और उस पर पूरे मन से काम करें निश्चित ही आप सफल होंगे। स्वास्थ्य के मामले में आज बाहर के खाने से परहेज करें। आज किसी काम को करने में जल्दबाजी न करें। आज आपको कारोबार में अच्छा धन लाभ होने वाला है। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए आज का अच्छा रहने वाला है। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए सार्थक रहने वाला है। आज कम्पनी की तरफ से आपको काम के सिलसिले में विदेश यात्रा पर जाना पड़ सकता है। आज स्टूडेंट्स की पढ़ाई में रुचि बढ़ेगी, कई दिनों से किसी टॉपिक को समझने में परेशान चल रही थी आज उसे अच्छे से क्लियर कर पायेंगे। आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। जीवनसाथी के साथ आज का दिन मनोरंजक गुजरेगा। आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहेगा। आज सोचा हुआ आपका काम पूरा हो जाएगा।

मिथुन राशि: आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहेगा। आज बच्चों के भविष्य से जुड़ी कुछ योजनाएं बनेंगी और उन्हें तुरंत लागू करना भी उचित रहेगा। किसी महत्वपूर्ण उद्देश्य को लेकर आज यात्रा भी हो सकती है। अपने उच्चाधिकारी के सामने बात रखने पर आज आपको पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिलेगा। आज अपने लवमेट को रिंग गिफ्ट कर सकते हैं, इससे आज आप दोनों के बीच रिश्ते में मधुरता बढ़ेगी।

कर्क राशि : आज आपका दिन उत्तम रहेगा। परिवार वालों के साथ मनोरंजन के लिए कहीं ट्रिप का प्लान बन सकता है। परिवार के सभी सदस्यों के साथ आज अच्छा समय बिताएं। रियल स्टेट से जुड़े लोगों की आज फायदेमंद डील हो सकती हैं। सरकारी क्षेत्र में सेवारत व्यक्तियों को आज जरूरी काम से यात्रा करनी पड़ सकती है। इस राशि के व्यापारी वर्ग को आज अचानक बड़ा फायदा हो सकता है। टेन्ट हाउस और ईवेंट मनेजमेंट का काम करने वालों के लिए आज का दिन बहुत अच्छा है, बढ़िया मुनाफा होने वाला है।

सिंह राशि : आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहेगा। आज आपके सारे पुराने काम आसानी से पूरे हो जाएंगे। आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। साइंस से जुड़े छात्रों को आज अच्छी जॉब का ऑफर मिल सकता है। बिजनेस के सिलसिले में दोस्त के साथ बाहर जा सकते हैं। व्यापार को आगे बढ़ाने के लिए आप किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह लेंगे। आज किसी से बात करते समय अपनी वाणी पर नियंत्रण रखें। लवमेट अपने रिश्ते को लेकर घर पर बात करेंगे। रिश्ता तय हो सकता है। जिससे घर में खुशियों का माहौल बना रहेगा।

कन्या राशि : आज आप का दिन बेहतर रहेगा। बच्चों द्वारा आज शुभ समाचार मिलने से घर में खुशी का माहौल रहेगा साथ ही पिछले कुछ दिनों से चल रही किसी दुविधा का भी समाधान निकलेगा जिससे परिवार के सभी सदस्यों को आनन्द की प्राप्ति होगी। आज खाद्य पदार्थों के व्यापार में चार गुना वृद्धि हो सकती है। आज आर्थिक पक्ष पहले से मजबूत बना रहेगा। आज रूक्मिणी के स्टूडेंट्स अपने कॉलेज को प्रोजेक्ट पूरा करने में दोस्तों की मदद मिलेगी।

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए लकी रहेगा। दोस्तों के साथ आज कहीं बाहर पार्टी करने जा सकते हैं। इस राशि के बिजनेस मैन को आज अचानक किसी काम का बड़ा ऑर्डर मिल सकता है। आज व्यवसाय में किसी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन किसी अनुभवी व्यक्ति के मार्गदर्शन से समस्या हल भी हो जाएगी। आपकी आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। अगर आज किसी नये बिजनेस की शुरुआत करने की सोच रहें हैं तो माता-पिता की राय अवश्य लें निश्चित ही आपको सफलता मिलेगी।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके लिए भाग्यशाली साबित होने वाला है। आज दोस्त की बर्थडे पार्टी में नए लोग मिलेंगे जो आपके लिए आने वाले समय फायदेमंद साबित होंगे। आज ऑफिस के कार्यों में मन लगेगा बॉस आपके काम से प्रभावित होंगे। यदि आज कहीं बाहर जाना चाह रहें हैं तो ए.टी.एम. कार्ड साथ ले जाना न भूलें। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन संतोषजनक रहेगा अपने स्टडी प्लान में जरूरी बदलाव करेंगे। परिवार के साथ आज रात को बाहर डिनर का प्लान बन सकता है इससे रिश्तों में मधुरता बनेगी।

धनु राशि : आज आप का दिन ताजगी भरा रहेगा। आज की गई मेहनत का सार्थक फल आपको अवश्य मिलेगा। घर में आज किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति के आने से कुछ खास मुद्दों पर सकारात्मक विचार विमर्श होगा। आज आपको ऑफिस की महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। आज किसी प्रभावशाली व्यक्ति से मुलाकात का अवसर मिलेगा जिनसे भविष्य से जुड़ी योजनाओं पर विचार-विमर्श कर सकते हैं। आज आपको सबकी बातें ध्यान से सुननी चाहिए। आज आपको आर्थिक रूप से अधिक लाभ होगा।

मकर राशि : आज आपका दिन सामान्य रहेगा। कलात्मक कार्यों में रुचि रखने वाले लोगों के लिए आज दिन विशेष है आज आपको अपनी योग्यता को निखारने का मौका मिल सकता है। सड़क पर चलते समय आज ट्रैफिक नियमों को ध्यान में रखकर ही रोड-क्रास करें। आज आप अपने दोस्त को प्रसन्न करने के लिए उन्हें चॉकलेट गिफ्ट कर सकते हैं। इस राशि के इंजीनियर्स के लिए आज का दिन फायदा देने वाला है। कुछ कार्यों को लेकर आप उलझन में आ सकते हैं लेकिन किसी अनुभवी की मदद से आपको राहत मिलेगी।

कुंभ राशि : आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन करियर को एक बेहतर दिशा देने के लिए अनुकूल रहेगा। कारोबार में आज किसी नए काम को लेकर भ्रमित न हों और उस पर पूरे मन से काम करें निश्चित ही आप सफल होंगे। स्वास्थ्य के मामले में आज बाहर के खाने से परहेज करें। आज किसी काम को करने में जल्दबाजी न करें। आज आपको कारोबार में अच्छा धन लाभ होने वाला है। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए आज का अच्छा रहने वाला है। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा।

मीन राशि : आज का दिन आपके लिए बेहद खास पल लेकर आया है। आज रोजगार में पदोन्नति के अवसर मिलेगा। आज प्रभावशाली लोगों से मेल-मुलाकात होने से आप अपने अंदर भी कुछ बदलाव महसूस करेंगे। बच्चों के भविष्य से जुड़ी कुछ योजनाएं बनेंगी और उन्हें तुरंत लागू करना भी उचित रहेगा ऑफिस में आज आपकी कर्तव्यनिष्ठा के लिए आपको सम्मानित किया जा सकता है इसलिए आज आप ऑफिस टाइम पर जाएं।

विक्टोरिया 'ज सीक्रेट फैशन शो में रैंप वॉक करने वाली पहली मलयाली मॉडल बनीं रावलीन वर्गीस



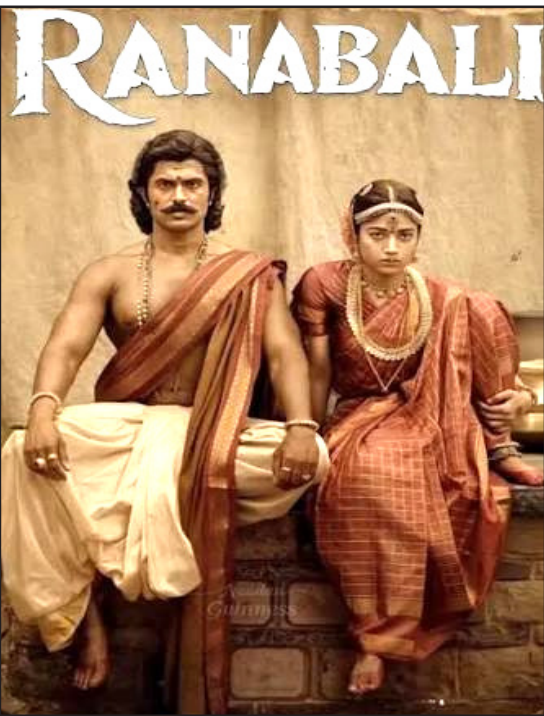
अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चित विक्टोरिया 'ज सीक्रेट फैशन शो का आयोजन 18 अक्टूबर को हुआ। इस शो में एड्रियाना लीमा, गीगी हदीद, बेला हदीद और काइली जेनर जैसी जानी-मानी हस्तियों ने आकर्षक परिधानों में रैंप वॉक किया। इस दौरान केरल के पथानामथिट्टा की रहने वाली 25 वर्षीय मॉडल रावलीन वर्गीस ने भी खास पहचान

बनाई। वह विक्टोरिया 'ज सीक्रेट फैशन शो में रैंप वॉक करने वाली पहली मलयाली मॉडल बन गई हैं। उनकी इस उपलब्धि को भारतीय महिलाओं के लिए एक महत्वपूर्ण सफलता के रूप में देखा जा रहा है।

रावलीन की खास बात यह है कि मॉडलिंग कभी उनका प्रमुख लक्ष्य नहीं था। डिजाइन की पढ़ाई के लिए दिल्ली आने के

बाद महज 18 साल की उम्र में उन्हें मॉडलिंग का अवसर मिला। इसके बाद उन्होंने फैशन की दुनिया में अपनी पहचान बनाने की दिशा में कदम बढ़ाए। उन्हें पहली बड़ी सफलता न्यूयॉर्क फैशन वीक में प्रबल गुरंग के स्प्रिंग-समर 2025 संग्रह के जरिए मिली थी।

जेलर 2 की आंधी में रणबाली ने बनाया रिकॉर्ड, बनी विजय देवरकोंडा की चौथी बिगैस्ट ओपनर



दिन इसका वैश्विक कारोबार 16.67 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। 'रणबाली' विजय देवरकोंडा के करियर के लिए शुरुआती कमाई के लिहाज से महत्वपूर्ण साबित हुई है। रिपोर्टों के मुताबिक, यह कोविड महामारी के बाद रिलीज हुई उनकी फिल्मों में पहले दिन सबसे ज्यादा कमाई करने वाली चौथी फिल्म बन गई है। इसने उनकी फिल्म 'द फैमिली स्टार' की शुरुआती कमाई को पीछे छोड़ दिया है।

विजय देवरकोंडा की फिल्मों की पहले दिन की कमाई के मामले में 'किंगडम' लगभग 17 करोड़ रुपये के साथ पहले स्थान पर है। इसके बाद 'लाइगर' 15.95 करोड़ रुपये और 'कुशी' 15.25 करोड़ रुपये की शुरुआती कमाई के साथ सूची में शामिल हैं। 'रणबाली' ने 9.25 करोड़ रुपये के शुद्ध कारोबार के साथ इस सूची में अपनी जगह बनाई है। 'रणबाली' रश्मिका मंदाना के करियर के लिए भी अहम

मानी जा रही है। फिल्म ने अभिनेत्री की पहले दिन सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों की शीर्ष 10 सूची में जगह बनाई है। कोईमोई की रिपोर्ट के अनुसार, यह सूची में दसवें स्थान पर पहुंच गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म ने रश्मिका की 'सीता रामम' के पहले दिन के 2.85 करोड़ रुपये के कारोबार को पीछे छोड़ दिया है। हालांकि, फिल्म का आगे का प्रदर्शन दर्शकों की प्रतिक्रिया और आने वाले दिनों में कमाई की रफ्तार पर निर्भर करेगा। 'रणबाली' एक भारतीय ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर आधारित एक्शन-ड्रामा फिल्म है। इसका निर्देशन राहुल सांकृत्यायन ने किया है। फिल्म में विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिकाओं में नजर आए हैं। शादी के बाद दोनों कलाकारों की यह पहली फिल्म है, जो सिनेमाघरों में प्रदर्शित हुई है। फिल्म को लेकर दर्शकों की दिलचस्पी के बीच अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि शुरुआती कारोबार के बाद 'रणबाली' बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ कितनी मजबूत कर पाती है।

बॉक्स ऑफिस पर इन दिनों रजनीकांत की फिल्म 'जेलर 2' का दबदबा देखने को मिल रहा है। इसके प्रदर्शन का असर 'दृश्यम 3', 'नई नवेली' और 'प्रहार' जैसी फिल्मों के कारोबार पर भी पड़ रहा है। दक्षिण भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 'जेलर 2' के साथ विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना अभिनीत फिल्म 'रणबाली' की टक्कर देखने को मिली। हालांकि, रजनीकांत की फिल्म के सामने 'रणबाली' पहले दिन दो अंकों में शुद्ध कमाई करने और भारत में 10 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने में सफल नहीं हो सकी। इसके बावजूद फिल्म ने वैश्विक स्तर पर अच्छी शुरुआत दर्ज की है।

व्यापार संबंधी रिपोर्टों के अनुसार, 'रणबाली' ने रिलीज के पहले दिन भारत में 9.25 करोड़ रुपये का शुद्ध कारोबार किया। वहीं, देश में इसका कुल सकल कारोबार 10.92 करोड़ रुपये रहा। विदेशों में फिल्म ने 5.75 करोड़ रुपये कमाए। इस तरह पहले

कुणाल खेमू के शो अलायंस के दूसरे सीजन का ऐलान, अमेजन प्राइम वीडियो पर 14 जनवरी 2027 से होगा प्रसारण

अभिनेता कुणाल खेमू की मेजबानी वाले लोकप्रिय रियलिटी शो 'अलायंस' के प्रशंसकों के लिए अच्छी खबर है। निर्माताओं ने शो के दूसरे सीजन की आधिकारिक घोषणा कर दी है। इसके साथ ही नए सीजन के प्रसारण की तारीख भी तय कर दी गई है। यह शो 14 जनवरी, 2027 से अमेजन प्राइम वीडियो पर प्रसारित होगा।

जून 2026 में प्रसारित हुए पहले सीजन को दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी।

इसी लोकप्रियता को देखते हुए निर्माताओं ने इसे दूसरे सीजन के साथ वापस लाने का फैसला किया है। पहले सीजन में डेजी शाह, अर्सलान गोनी, सोहेल खान, कुशल टंडन और मैक्सटर्न समेत कुल 16 प्रतियोगियों ने हिस्सा लिया था। प्रतियोगियों के बीच गठबंधन बनाने, रणनीति तैयार करने और एक-दूसरे को चुनौती देने के कारण यह शो चर्चा में रहा। पहले सीजन

की विजेता मिनी माथुर बनी थीं। अमेजन प्राइम वीडियो ने सामाजिक माध्यम 'एक्स' पर आधिकारिक पोस्टर जारी कर दूसरे सीजन की घोषणा की। पोस्ट के साथ दिए गए संदेश में नए गठबंधनों, अधिक नाटकीय घटनाक्रम और गठबंधनों के टूटने का संकेत दिया गया है। इससे उम्मीद की जा रही है कि नए सीजन में प्रतियोगियों के बीच रणनीतिक मुकाबला और रोमांच देखने को मिलेगा।

'अलायंस' की खासियत इसका गठबंधन, विश्वासघात और रणनीति पर आधारित प्रारूप है। इसमें प्रतियोगियों को परिस्थितियों के अनुसार दूसरे प्रतिभागियों के साथ गठबंधन बनाना पड़ता है। हालांकि, बदलते समीकरणों के बीच इन गठबंधनों का टूटना भी खेल का अहम हिस्सा है। 'अलायंस' टाल्पा स्टूडियो के लोकप्रिय डच प्रारूप का पहला अंतरराष्ट्रीय रूपांतरण है।

सनी देओल की 'सूर्या : अंत से आरंभ तक' का ऐलान, मोशन-पोस्टर के साथ रिलीज तारीख की भी घोषणा



बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल की आगामी फिल्म 'सूर्या: अंत से आरंभ तक' की आधिकारिक घोषणा कर दी गई है। यह एक अपराध और रोमांच पर आधारित एक्शन फिल्म होगी, जिसका निर्देशन एम. पद्मकुमार कर रहे हैं। फिल्म का निर्माण एमएम मूवीज के बैनर तले किया जा रहा है। निर्माताओं ने फिल्म का पहला दृश्य-गत पोस्टर जारी करने के साथ इसकी प्रदर्शन तिथि का भी खुलासा किया है। फिल्म 20 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। 'सूर्या: अंत से आरंभ तक' की कहानी एक ऐसे व्यक्ति के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अनसुलझे सवालों और दबी हुई सच्चाइयों के बीच फंस जाता है। कहानी में अपराध, रहस्य और रोमांच के कई पहलू देखने को मिलेंगे। हालांकि, निर्माताओं ने अभी फिल्म की कहानी के बारे में विस्तार से जानकारी साझा नहीं की है। फिल्म के पहले दृश्य-गत पोस्टर में सनी देओल गंभीर और प्रभावशाली अंदाज में नजर आ रहे हैं। उनकी तीखी नजरें और व्यक्तित्व उनके किरदार के भीतर चल रहे संघर्ष की झलक देते हैं। पोस्टर से संकेत मिलता है कि फिल्म में उनका सामना अतीत से जुड़े रहस्यों और कई अनसुलझे सवालों से होगा। फिल्म में सनी देओल के साथ रवि किशन, प्रज्ञा जायसवाल और जिशु सेनगुप्ता भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे। इन कलाकारों की मौजूदगी से फिल्म की कहानी में विविधता आने की उम्मीद है। हालांकि, उनके किरदारों से जुड़ी विस्तृत जानकारी अभी सामने नहीं आई है। निर्माताओं ने 'सूर्या: अंत से आरंभ तक' की रिलीज के लिए 20 नवंबर 2026 की तारीख तय की है। फिल्म के पहले पोस्टर के जारी होने के बाद से ही इसे लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ गई है। अब दर्शकों को फिल्म के अगले प्रचार अभियान, कहानी से जुड़े खुलासों और अन्य झलकियों का इंतजार रहेगा। सनी देओल की इस फिल्म में एक्शन, अपराध और रहस्य का मेल देखने को मिलेगा। फिल्म की सफलता को लेकर अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगी, लेकिन इसकी घोषित रिलीज तारीख और कलाकारों की सूची ने इसे आगामी फिल्मों में शामिल कर दिया है।

उत्तराखंड में LT शिक्षक भर्ती पर फंसा पेंच, मचा सियासी घमासान



देहरादून, 29 अक्टूबर (नि०स०)। उत्तराखंड में सहायक अध्यापक (एल.टी.) भर्ती परीक्षा-2024 के 585 चयनित अभ्यर्थियों का इंतजार और लंबा हो गया है। न्यायालय की ओर से तय की गई तीन महीने की समय-सीमा बीते एक महीने से अधिक

समय बीत जाने के बाद भी अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (UKSSSC) द्वारा अभिलेख सत्यापन की प्रक्रिया शुरू नहीं की गई है। परीक्षा परिणाम घोषित हुए दो महीने से ज्यादा वक्त बीत चुका है, लेकिन नियुक्ति पत्र मिलने की आस लगाए बैठे

युवा मानसिक और आर्थिक तंगी के दौर से गुजर रहे हैं। इसी सिलसिले में आज चयनित अभ्यर्थियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने ईसी रोड स्थित कैप कार्यालय में कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा।

भर्ती प्रक्रिया की टाइमलाइन पर नजर डालें तो कानूनी बाधाएं पार होने के बावजूद प्रशासनिक स्तर पर सुस्ती बनी हुई है। पिछले साल चार जून 2025 को एकल पीठ के फैसले के बाद KSSSC ने विशेष अपील दायर की थी, जिस पर 3 जून 2026 को अदालत ने तीन महीने के भीतर भर्ती प्रक्रिया पूरी करने के स्पष्ट निर्देश दिए थे। इसके अनुपालन में आयोग ने 20 अगस्त 2026 को 585 अभ्यर्थियों का संशोधित परिणाम भी जारी कर दिया। हालांकि, 3 सितंबर 2026 को कोर्ट की

मियाद पूरी होने के बावजूद आज तक डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन की तारीख घोषित नहीं की गई है।

अभ्यर्थियों का दर्द सुनकर वरिष्ठ कांग्रेस नेता सूर्यकांत धस्माना ने राज्य सरकार और शिक्षा विभाग पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि महीनों और सालों की कानूनी लड़ाई जीतने के बाद भी चयनित युवाओं को नियुक्ति के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है, जो सरकार की कार्यशैली पर सवालिया निशान लगाता है। धस्माना ने कड़े शब्दों में चेतावनी दी है कि यदि शिक्षा विभाग ने तत्काल प्रभाव से इन 585 चयनित सहायक अध्यापकों के

सत्यापन और जॉइनिंग की प्रक्रिया शुरू नहीं की, तो कांग्रेस पार्टी युवाओं के समर्थन में सड़कों पर उतरेगी और बड़ा आंदोलन किया जाएगा। प्रतिनिधिमंडल ने अपनी तीन सूत्रीय मांगों में मुख्यमंत्री से व्यक्तिगत मुलाकात का समय मांगा है। साथ ही मांग की है कि शिक्षा विभाग और KSSSC को तुरंत निर्देश देकर डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन की तारीख तय की जाए ताकि पदों की औपचारिकता पूरी कर नियुक्ति दी जा सके। श्री धस्माना ने अभ्यर्थियों को भरोसा दिलाया है कि वे इस गंभीर मामले को मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री और चर्रसष्ठ अध्यक्ष के समक्ष प्रमुखता से उठाएंगे ताकि इन युवाओं के भविष्य के साथ हो रहे खिलवाड़ को रोका जा सके।

दो दिन की रौनक के बाद फिर पसरा सन्नाटा, गैरसैंण को सालभर गुलजार करने की चुनौती

अशोक शर्मा

गैरसैंण। ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैंण के भराड़ीसैंण स्थित विधानसभा परिसर में दो दिन तक रही राजनीतिक और प्रशासनिक गतिविधियों की गहमागहमी सत्र समाप्त होते ही थम गई। मुख्यमंत्री, मंत्रियों, विधायकों, अधिकारियों और कर्मचारियों की आवाजाही से गुलजार रहने वाला परिसर एक बार फिर शांत हो गया। सदन की कार्यवाही स्थगित होते ही सरकारी कार्फिलों की वापसी शुरू हुई और इसके साथ ही विधानसभा परिसर से लेकर आसपास के क्षेत्र तक चहल-पहल सिमटने लगी। दो दिन पहले तक जहां वाहनों की आवाजाही, जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी और प्रशासनिक गतिविधियों के चलते गैरसैंण में राजधानी जैसा माहौल दिखाई दे रहा था, वहीं सत्र की समाप्ति के बाद फिर वही खामोशी लौट आई। यह स्थिति एक बार फिर इस सवाल को सामने ला रही है कि आखिर गैरसैंण को सालभर सक्रिय रखने के लिए सरकारी स्तर पर गतिविधियों का विस्तार कब और किस तरह होगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी पहले ही गैरसैंण को सालभर गुलजार रखने के लिए योजनाएं तैयार किए जाने की बात कह चुके हैं। अब इन योजनाओं को धरातल पर उतारने की दिशा में होने वाली पहल पर निगाहें टिकी हैं। भराड़ीसैंण में विधानसभा सत्र का आयोजन होते ही गैरसैंण की तस्वीर कुछ समय के लिए बदल जाती है। विधानसभा परिसर में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की मौजूदगी बढ़ जाती है। सुरक्षा व्यवस्था से लेकर परिवहन, आवास, भोजन और अन्य प्रशासनिक व्यवस्थाओं में सरकारी मशीनरी जुट जाती है। सत्र के दौरान क्षेत्र की सड़कों पर वाहनों की आवाजाही बढ़ती है और स्थानीय स्तर पर भी गतिविधियां तेज हो जाती हैं।

इस बार भी दो दिवसीय सत्र के दौरान सदन में अनुपूरक बजट समेत विभिन्न महत्वपूर्ण विधेयकों पर कार्यवाही हुई। राजनीतिक चर्चाओं और प्रशासनिक गतिविधियों के चलते गैरसैंण एक बार फिर प्रदेश की राजनीति के केंद्र में रहा। लेकिन सत्र की अवधि सीमित होने के कारण यह रौनक ज्यादा समय तक कायम नहीं रह सकी। कार्यवाही पूरी होते ही जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की वापसी शुरू हुई और विधानसभा परिसर की हलचल धीरे-धीरे समाप्त हो गई। गैरसैंण को ग्रीष्मकालीन राजधानी का दर्जा मिलने के बाद से ही यहां नियमित प्रशासनिक गतिविधियां बढ़ाने और क्षेत्र को स्थायी विकास की धारा से जोड़ने की अपेक्षाएं बनी हुई हैं। स्थानीय लोगों की उम्मीद है कि विधानसभा सत्र के आयोजन तक सीमित रहने के बजाय यहां ऐसी व्यवस्थाएं विकसित की जाएं, जिनसे पूरे साल लोगों की आवाजाही बनी रहे और क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिले। सत्र के दौरान दिखाई देने वाली चहल-पहल यह बताती है कि सरकारी गतिविधियों के विस्तार से क्षेत्र में सक्रियता बढ़ सकती है। इसके विपरीत, सत्र समाप्त होते ही लौटने वाला सन्नाटा नियमित प्रशासनिक उपस्थिति, रोजगार के अवसरों, बेहतर परिवहन

और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार की जरूरत को रेखांकित करता है। गैरसैंण को सालभर सक्रिय रखने के लिए केवल सरकारी बैठकों या विधानसभा सत्रों की संख्या बढ़ाना ही पर्याप्त नहीं होगा। इसके लिए प्रशासनिक कार्यालयों की नियमित उपस्थिति, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार, सड़क एवं परिवहन व्यवस्था में सुधार, स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर और पर्यटन गतिविधियों को प्रोत्साहन देने जैसे पहलुओं पर भी ध्यान देना होगा। इन व्यवस्थाओं के विस्तार से क्षेत्र में स्थायी आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिल सकता है। गैरसैंण में विधानसभा सत्र के संचालन पर होने वाला खर्च भी चर्चा का विषय है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, सत्र के सफल संचालन के लिए प्रतिदिन करीब डेढ़ से दो करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान बताया जाता है। इसमें बिजली, पानी, भोजन, परिवहन और अन्य व्यवस्थाओं से जुड़े खर्च शामिल हैं। इसके अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने तथा सदन की कार्यवाही सुचारु रूप से संचालित करने के लिए बड़ी संख्या में सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों की तैनाती की जाती है।

सत्र के दौरान कर्मचारियों और अधिकारियों के आने-जाने, ठहरने तथा भोजन की व्यवस्था पर भी संबंधित विभागों को खर्च करना पड़ता है। विभिन्न विभागों के वाहनों की आवाजाही और पूरे प्रशासनिक अमले की तैनाती से व्यय का दायरा बढ़ जाता है। हालांकि, प्रतिदिन होने वाले खर्च के इस अनुमान का आधिकारिक मदवार विवरण उपलब्ध होना जरूरी है, ताकि वास्तविक लागत का आकलन किया जा सके। इतने बड़े संसाधन और धनराशि खर्च होने के बाद स्वाभाविक रूप से यह अपेक्षा भी रहती है कि गैरसैंण को इसका दीर्घकालिक लाभ मिले।

सम्पादन मण्डल
समाचार सम्पादक: डॉ. वी.डी. शर्मा
संवाददाता: रजत शर्मा
संरक्षक सलाहकार: डा. अश्विनी कांबोज
कानूनी सलाहकार: यशस्वी शर्मा (एड.)
अश्वनी मुद्गल (एड.)

देवपथ
हिन्दी सांध्य संस्करण
स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक श्रीमती सुषमा शर्मा के लिए अभिप्रेरणा प्रिंटर्स, बंजारावाला (कारगी), देहरादून (उत्तराखण्ड) से मुद्रित एवं बंजारावाला (कारगी), देहरादून (उत्तराखण्ड) प्रकाशित।
सम्पादक : रामेश्वर दत्त शर्मा
नोट:- मुद्रित सामग्री के लिए प्रेस उत्तरदायी नहीं है। वाद-विवाद का क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा।
मोबाईल: 9358129177, 9557316580

चुनावी फायदे के लिए विपक्षी नेताओं को निशाना बना रही राज्य सरकार : राजीव महर्षि



देहरादून, 29 अक्टूबर (नि०स०)। उत्तराखंड में आगामी चुनावों से पहले सियासी पारा चढ़ गया है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रीतम सिंह के भाई पर मुकदमा दर्ज होने के बाद कांग्रेस पार्टी ने सीधे तौर पर भारतीय जनता पार्टी पर हमला बोला है। कांग्रेस उपाध्यक्ष राजीव महर्षि ने कहा कि जिला पंचायत चुनावों में मिली करारी

हार और प्रीतम सिंह की बढ़ती लोकप्रियता से घबराकर भाजपा यह साजिश रच रही है। उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेट्री के उपाध्यक्ष राजीव महर्षि ने मीडिया से बातचीत में कहा कि बिना किसी निष्पक्ष जांच के किसी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने आरोप लगाया कि राजधानी देहरादून की जिला पंचायत पर कांग्रेस के कब्जे से भाजपा बौखला गई है। भाजपा नेता चुनावी मैदान में प्रीतम सिंह को शिकस्त नहीं दे पा रहे हैं, इसलिए अब राजनीतिक षड्यंत्र के तहत उनके परिवार को निशाना बनाने की कोशिश की जा रही है।

भाजपा पर तीखा प्रहार करते हुए महर्षि ने कहा कि सत्तारूढ़ दल के पास चुनावों में उतरने के लिए कोई जनहित का

मुद्दा नहीं बचा है। विधानसभा में हुए बवाल प्रकरण पर सरकार जवाब देने से बच रही है। उन्होंने गंभीर आरोप लगाया कि भाजपा ने अपने वरिष्ठ नेताओं को बचाने के लिए संवैधानिक पदों का सहारा लिया, ताकि उन पर कानूनी कार्रवाई न हो सके। महर्षि ने स्पष्ट किया कि प्रीतम सिंह का राजनीतिक और पारिवारिक बैकग्राउंड काफी मजबूत रहा है, जिसकी बराबरी भाजपा का कोई नेता नहीं कर सकता।

प्रदेश कांग्रेस कमेट्री के उपाध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि पूरी पार्टी मजबूती के साथ प्रीतम सिंह के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। उन्होंने कहा कि अगर भाजपा ने राजनीतिक द्वेष के तहत उत्पीड़न करने का कोई भी प्रयास किया, तो कांग्रेस कार्यकर्ता चुप नहीं बैठेंगे और इसका पुरजोर विरोध करेंगे। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने मांग की कि मामले में बिना किसी राजनीतिक दबाव के पारदर्शी जांच कराई जाए।

मसूरी विन्टरलाईन कार्निवाल-2026 को भव्य आयोजन को लेकर जिला प्रशासन शुरू की तैयारियां



देहरादून, 29 अक्टूबर (सूवि)। मसूरी विन्टरलाईन कार्निवाल-2026 को भव्य, आकर्षक एवं सुव्यवस्थित रूप से आयोजित करने तथा देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी डॉ० आशीष चौहान की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित एनआईसी सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक में कार्निवाल की तैयारियों, विभिन्न व्यवस्थाओं एवं आयोजन से संबंधित गतिविधियों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि मसूरी विन्टरलाईन कार्निवाल-2026 के आयोजन को भव्य एवं यादगार बनाने के लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्य करते हुए व्यवस्थाओं को समयबद्ध एवं

गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि कार्निवाल के दौरान मसूरी में पर्यटकों की संख्या बढ़ने की संभावना को देखते हुए सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाए। पर्यटकों एवं स्थानीय नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यातायात प्रबंधन, साफ-सफाई, सौन्दर्यीकरण, सड़क व्यवस्था एवं पेयजल सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित की जाएं। जिलाधिकारी ने कहा कि मसूरी विन्टरलाईन कार्निवाल केवल मनोरंजन का आयोजन न होकर पर्यटन को बढ़ावा देने, स्थानीय संस्कृति एवं ऐतिहासिक विरासत को देश-विदेश तक पहुंचाने तथा स्थानीय लोगों के लिए रोजगार एवं आय के अवसर सृजित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। इस दृष्टिगत कार्निवाल की गतिविधियों को इस प्रकार नियोजित किया जाए कि पर्यटकों को आकर्षित करने के साथ ही मसूरी की विशिष्ट पहचान एवं ऐतिहासिक महत्व का भी प्रचार-प्रसार हो। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि मसूरी के ऐतिहासिक स्मारकों एवं भवनों का

सौन्दर्यीकरण करते हुए ऐसे महत्वपूर्ण स्थलों को कार्निवाल की कार्यक्रम श्रृंखला से जोड़ा जाए। इन स्थानों पर आकर्षक एवं क्षेत्रीय इतिहास, परम्परा, लोककला, स्थानीय व्यंजन पर आधारित कार्यक्रम, आयोजित किए जाएं, जिससे मसूरी आने वाले देशी-विदेशी पर्यटकों को यहां की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक विरासत संबंधी जानकारी प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि मसूरी की ऐतिहासिक पहचान को कार्निवाल की गतिविधियों के माध्यम से प्रदर्शित करने से पर्यटकों का अनुभव और अधिक समृद्ध होगा तथा शहर की विरासत को नई पहचान मिलेगी।

जिलाधिकारी ने कहा कि मसूरी विन्टरलाईन कार्निवाल-2026 को और अधिक आकर्षक एवं प्रभावी बनाने के लिए देश के अन्य पर्यटन क्षेत्रों में सफलतापूर्वक आयोजित कार्निवाल एवं पर्यटन महोत्सवों का अध्ययन किया जाए। वहां की बेहतर व्यवस्थाओं, नवाचारों एवं सफल गतिविधियों को मसूरी की स्थानीय परिस्थितियों एवं विशेषताओं के अनुरूप कार्निवाल में शामिल करने की संभावनाओं पर कार्य किया जाए।